[Total No. of Printed Pages : 3] अनुक्रमांक.....

DVK - 104

ग्रहशान्ति एवं संस्कार विधान

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2020

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. नवग्रहशान्ति विधान का वर्णन कीजिए।

2. मूल शान्ति से आप क्या समझते हैं?

3. सूर्य एवं चन्द्र ग्रह की शान्ति विधान का उल्लेख कीजिए।

4. संस्कार को परिभाषित करते हुए उसकी महत्ता बतलाइए।

5. अन्नप्राशन एवं उपनयन संस्कार का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. वेदारम्भ एवं समावर्तन संस्कार क्या है?

2. मूल शान्ति से आप क्या समझते हैं?

3. विवाह के लिए उपयुक्त मास एवं नक्षत्र कौन-कौन से हैं?

4. राहु एवं केतु ग्रह शान्ति विधान का वर्णन कीजिए।

5. संस्कारों की उपयोगिता पर अपने विचार लिखिए।

6. मूल से अन्य नक्षत्रों की शान्ति में क्या विशेष है? स्पष्ट करते हुए लिखिए।

7. यमल जनन से क्या तात्पर्य है? उसकी शान्ति विधान लिखिए।

8. विवाह के शुभाशुभ योगों का वर्णन कीजिए।

****